पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

<u>राज्यपाल ने रबीन्द्र नाथ टैगोर की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की</u>

लखनऊः 7 मई, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज विश्वकवि तथा भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता रबीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी आवास के सामने स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने कहा कि रबीन्द्र नाथ टैगोर जी शब्दों के महावीर थे। उन्होंने साहित्य की सभी विधाओं पर रचना लिखी। राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने कविता, गीत, नाट्य, कहानी एवं उपन्यास आदि विधाओं पर लिखकर साहित्य का साम्राज्य स्थापित किया। उनकी वाणी, भाषा एवं जो विचार निकले वह अद्भुत हैं। उन्होंने अपनी कलम से स्नेह, प्यार एवं भारतीय संस्कृति के मूल्यों की रचना की। उन्होंने कहा कि रबीन्द्र नाथ टैगोर की रचनाओं से भारत एवं बांग्लादेश के राष्ट्रगान बने।

श्री नाईक ने कहा कि हमारे लिए गर्व की बात है कि उनकी रचना गीतांजलि को विश्वस्तर पर प्रसिद्धि मिली तथा उसे साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया। रवीन्द्र नाथ टैगोर जी प्रथम भारतीय साहित्यकार थे जिन्हें विश्व स्तर पर सराहा गया। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक भाषाओं में गीतांजलि का अनुवाद किया गया है। गीतांजलि की गुणवत्ता को पहचानकर ही नोबेल पुरस्कार दिया गया। राज्यपाल ने कहा कि हम सभी लोगों को रबीन्द्र नाथ ठाकुर जी के विचारों को अपनाना चाहिए। उनके बताये रास्ते पर चलकर ही हम एक योग्य नागरिक बन सकते हैं।

इससे पूर्व नवयुग रेडियन्स की छात्राओं ने राष्ट्रगान एवं रबीन्द्र नाथ टैगोर की प्रसिद्ध रचना 'एकला चलो रे' की प्रस्तुति भी दी। बच्चों ने रबीन्द्र नाथ टैगोर की हाथ से बनाई गयी पोटेªट भी राज्यपाल को भेंट किया।

अशोक/ललित/राजभवन (188/10)